

Telangana Today- 21- February-2024

Dam safety committee inspects Annaram

STATE BUREAU

Hyderabad

The State Dam Safety Review Panel (DSRP) and technical experts of the State Dam Safety Organisation on Tuesday visited the Annaram barrage of the Kaleshwaram Lift Irrigation Scheme (KLIS) and inspected the structure.

The team undertook the inspection at the behest of the State government following seepage-related issues reported at the barrage recently. The team conducted a thorough inspection of pier no 39 and its peripheries suspected to be the source of the seepage.

Water from Annaram barrage was completely drained to facilitate an end-

to-end inspection of the project. Over 2.5 tmc of water was let off from the barrage during the last 48 hours. The Annaram barrage work was executed by Afcons Infrastructure Limited. As a minor leakage was spotted in the barrage, the implementing agency had undertaken grouting works to arrest the seepage a few months ago. The barrage was restored to its normal functioning status under the supervision of the Operations and Maintenance wing of the Irrigation Department. But the seepage-related issues surfaced once again last week grabbing the attention of the government which in turn took the issue to the attention of the National Dam Safety Authority

(NDSA). Instead of taking up rehabilitation works immediately, the government had made it clear that it would go by the directions of the NDSA experts.

The NDSA team is expected to visit Annaram barrage by the weekend for a thorough investigation and recommend a way forward. The DSRP which had inspected the barrage would submit its preliminary report to the government in a day or two.

The same report would be shared with the National Dam Safety Authority team on its visit to the project. The DSRP team also visited the Medigadda barrage and took stock of the structural issues in Block 7 of the barrage.

Telangana Today- 21- February-2024

Hyd stares at water crisis

Other districts in TS too face similar situation

PS DILEEP
HYDERABAD

An unprecedented water crisis is looming large over Hyderabad and a few other districts in the State as summer approaches. The State government is yet to unveil a contingency plan to tide over the potential crisis.

With just 11 TMC remaining in the Sripada Yellampalli project coupled with the release of water from the Annaram and Sundilla barrages of the Kaleshwaram Lift Irrigation Scheme (KLIS) due to alleged leakages, the situation is only getting worse.

As per the summer action plan 2024 proposed by the Hyderabad Metropolitan Water Supply and Sewerage Board, the Greater Hyderabad area will need around 50 MGD (million gallons per day) in addition to the existing usage of 550 MGD. Water levels in the majority of reservoirs on Krishna and Godavari Rivers are already depleting, with only 319.22 TMC of total storage capacity of 517.81 TMC being available. The State government had already declared a crop holiday under several projects citing water shortage.

Amid these conditions, the water level in the Sripada Yellampally project reached around 11 TMC on Sunday against a full storage capacity of 18.98 TMC. Con-

In deep waters

STATE GOVERNMENT YET TO UNVEIL CONTINGENCY PLAN



■ WATER AVAILABLE IN SRIPADA YELLAMPALLI PROJECT:

11 TMC

■ FULL STORAGE CAPACITY:

18.98 TMC

■ DEAD STORAGE LEVEL:

3.3 TMC

○ Greater Hyd needs around **50 MGD** (million gallons per day) in addition to existing usage of **550 MGD**

○ Water levels in majority of reservoirs on Krishna and Godavari Rivers depleting

○ Government already declared crop holidays citing water shortage

○ Hyderabad, other districts, depend on Mission Bhagiratha water supply

○ Irrigation officials propose urgent release of water from Kadem project

○ Kadem currently holds around **3.57 TMC**

○ Only 1 TMC available for release as project's dead storage level is **2.5 TMC**

sidering the project's dead storage level of 3.3 TMC, less than 7 TMC is available for usage. Critical consumers, including Hyderabad and numerous other districts, depend on the Mission Bhagiratha water supply from the Sripada Yellampally project. However, the rapid depletion, at a rate of approximately one TMC per week, poses significant challenges to meeting the demand for Mission Bhagiratha.

To address this escalating crisis, irrigation officials have proposed for urgent release of water from the Kadem project to sustain the required water level in the Sripada Yellampally project for the supply of drinking water under Mission Bhagiratha. The Kadem project, currently holding around 3.57 TMC of its full storage capacity of 7 TMC, faces its own challenges, as a crop holiday has been declared this year. (SEE PAGE 2)

Hyd stares at water crisis

Only around 1 TMC is available for release as the project's dead storage level is 2.5 TMC. Further, the State government recently directed the officials to release water downstream from the Sundilla barrage after alleged leakages were reported at the barrage. Though water could have been lifted to fill the Sripada Yellampally project from the Sundilla barrage, officials were ordered otherwise, which is only worsening the situation. With the water level of the Yellampally project dwindling, officials proposed that the State government consider releasing water from the Kadem project to the Sripada Yellampally project up to the crest level, emphasising the pressing need for immediate action to avert an unprecedented water scarcity in the State capital and other areas.

Dainik Jagran- 21- February-2024

स्वच्छ होकर यमुना में जाएगा दो नालों का पानी

गौतम कुमार मिश्रा • पश्चिमी दिल्ली

कभी दुर्गंध व गंदगी का पर्याय बन चुके द्वारका के दो बड़े नाले स्टार्म वाटर चैनल दो एवं पांच का पानी जब नजफगढ़ ड्रेन के माध्यम से यमुना में गिरेगा तब इसकी हर बूंद को इस नदी को स्वच्छ बनाने में विशेष योगदान होगा। दोनों नालों पर एक एक एसटीपी बनाए गए हैं। एसटीपी में शोधन के बाद जब पानी नाले में गिराया जाएगा तब इसका बीओडी (बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड) 10 से कम होगा। यह पानी हरियाली व जलीय जीवों के इस्तेमाल के लिए पूरी तरह योग्य होगा।

304 करोड़ से हुआ है पुनर्विकास : 304 करोड़ इन दोनों नालों के पुनर्विकास पर व्यय किया गया है। स्टार्म वाटर चैनल दो की लंबाई पांच किलोमीटर तो चैनल पांच की लंबाई चार किलोमीटर है। जहां इनकी चौड़ाई अधिक है वहां वाटर फ्रंट का विकास किया गया है। वाटर फ्रंट ऐसे बनाए गए हैं, जहां बह रहे पानी व हरियाली का अवलोकन करने के लिए आप चाहें तो खड़े हो सकते हैं या फिर बैठ भी सकते हैं। नाले में पानी का बहाव निश्चित मात्रा में कायम रहे, इसके लिए



नाले के किनारे पर बना सोलर ट्री • जागरण

स्वच्छ ऊर्जा का अधिकाधिक इस्तेमाल

नाले व आसपास के इलाके में जो लैंडस्केपिंग की गई है, उसके संचालन में काफी ऊर्जा की जरूरत होगी। सुबह व दिन ढलने के बाद यहां लाइटिंग में काफी ऊर्जा की खपत होगी। कोशिश इस बात की हुई है अधिकतम ऊर्जा का इंतजाम अपने स्तर पर हो। इसके लिए नाले के किनारे पर 30 सोलर ट्री लगाए गए हैं। साथ ही कई स्थानों पर सोलर पैनल भी ढांचों पर रखे गए हैं। पूरी तरह विकसित होने के बाद दोनों नालों के किनारे पर कई लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यहां सुरक्षा पर भी ध्यान दिया गया है।

जगह-जगह चेक डैम बनाए गए हैं। नाले के एक किनारे से दूसरे किनारे यदि आप जाना चाहें तो इसके लिए जगह-जगह ब्रिज का निर्माण किया गया है। लैंडस्केपिंग को आकर्षक

बनाने के लिए इन ब्रिजों को कहीं ओपन तो शेल्टरनुमा बनाया गया है। एक जगह आइ लव दिल्ली की आकृति बनाई है, जिसे आइ लव दिल्ली प्लाजा का नाम दिया गया है।

Hindustan- 21- February-2024

रिपोर्ट | उद्योगों से निकलने वाले पानी को बिना ट्रीट किए यमुना में गिराने से पहुंच रहे सेहत के लिए बेहद हानिकारक प्रदूषक

यमुना नदी में सेहत के लिए हानिकारक धातु मौजूद

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। यमुना के जल में सिर्फ ऑक्सीजन की कमी नहीं है, बल्कि इसमें भारी धातु के प्रदूषक कण भी मौजूद हैं। लोकसभा की स्थायी समिति ने यमुना पर रिपोर्ट तैयार की है। इसमें बताया गया है कि यमुना के जल में छह तरह की भारी धातु मौजूद हैं, जो सेहत के लिए खतरनाक हैं।

लोकसभा की स्थायी समिति ने यमुना नदी में पाए जाने वाले बीओडी, सीओडी और फेकल कोलीफार्म जैसे प्रदूषकों के साथ-साथ भारी धातु से होने वाले नुकसान की भी सूची तैयार की है।

सिर्फ दो फीसदी हिस्से में 76 प्रतिशत प्रदूषण

उत्तराखंड के यमुनानोत्री से निकलकर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज तक यमुना नदी कुल 1376 किलोमीटर का सफर तय करती है। इसका लगभग 54 किलोमीटर का हिस्सा दिल्ली से होकर गुजरता है। कुल लंबाई के सिर्फ इस दो फीसदी हिस्से में ही 76 फीसदी प्रदूषण आकर गिरता है।

यमुना नदी के जल में लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम के कण मौजूद हैं।

लोकसभा की स्थायी समिति ने यमुना नदी में प्रदूषण पर रिपोर्ट तैयार की

भारी धातु	संभावित स्रोत	सेहत को ये नुकसान हो सकता है
लेड	पेंट, पेस्टीसाइड्स, बैटरी, क्रिस्टल ग्लास प्रिपरेशन	बच्चों में कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट, वयस्कों में पेरीफेरल न्यूरोपैथी (रीढ़ की हड्डियों की नशों पर प्रभाव) आदि
कॉपर	इलेक्ट्रोप्लेटिंग, पेस्टीसाइड उत्पादन, खनन	सिरदर्द, नीसिया, उल्टी-दस्त, किडनी संबंधित बीमारी
जिंक	इलेक्ट्रोप्लेटिंग से जुड़े उद्योग, सीवरेज, मूर्ति विसर्जन	उल्टी, दस्त, लीवर और किडनी संबंधी बीमारियां
निकेल	स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग यूनिट, इलेक्ट्रोप्लेटिंग उद्योग का पानी	न्यूरोटॉक्सिक, जेनेटॉक्सिक, कार्सिनोजेनिक
कैडमियम	इलेक्ट्रोप्लेटिंग, सीडी-एमआई बैटरी बनाने, टेलीविजन फास्फोरस	किडनी-लीवर से संबंधित परेशानी, गैस्ट्रो इंटेस्टाइन डैमेज
क्रोमियम	खनन, इलेक्ट्रोप्लेटिंग	गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, हेपेटिक, रीनल, न्यूरोनल डैमेज